

Ref. No.: Engg./2024-25/049

दिनांक: 10/08/2024

प्रिय अभिभावक,

जैसा कि आपको भली भांति अवगत है कि वर्तमान समय में शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा (competition) से व्यवसायिक शिक्षा (इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, फार्मसी, पैरामेडिकल, मैनेजमेंट आदि) का क्षेत्र भी अछूता नहीं है। निरंतर बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा एवं स्वर्णिम भविष्य की आकांक्षा यदा कदा विद्यार्थियों में मानसिक तनाव को जन्म देती है। माता-पिता, परिवार, रिश्तेदार एवं समाज की आवश्यकता से अधिक अपेक्षाएँ भी इस तनाव को बढ़ाने में अपना योगदान देती हैं। उक्त मानसिक तनाव का एक इष्टतम स्तर (optimum level) पर प्रबंधन करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के उद्देश्य से विद्यार्जन (studies) एवं प्रशिक्षण (training) हेतु प्रेरित करते रहना ही सफलता का एक मात्र मूलमंत्र है। इस प्रयास में अभिभावक के रूप में आपका एवं श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूशन, बरेली के प्राचार्य के रूप में अधोहस्ताक्षरी का एक महत्वपूर्ण योगदान सदैव ही अपेक्षित है। इस पत्र के माध्यम से उसी महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए आपसे निरंतर सहयोग की अपेक्षा करता/करती हूँ।

ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जहाँ मानसिक तनाव के चलते व्यवसायिक शिक्षा के छात्र एवं छात्रायें गलत संगत में पड़कर नशे का सहारा लेने लगते हैं। आज के समाज में धूम्रपान और शराब के अतिरिक्त ऐसे अनेक नशीले द्रव्य अत्यंत सुलभ हो चुके हैं जिनकी धीरे धीरे लत लग जाने पर विद्यार्थी केवल अपने उद्देश्य से भ्रमित होकर अपने स्वर्णिम भविष्य को धूमिल करते हुए अपने माता पिता के सपनों पर ही अघात नहीं करते बल्कि अपने जीवन को भी अंधकार के मार्ग पर ले जाते हैं जहाँ उनके साथियों द्वारा उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उनका शोषण भी किया जाने लगता है।

उक्त तथ्यों के दृष्टिगत महाविद्यालय द्वारा समय समय पर ऐसे अनेक पूर्वोपाय (precautionary measures) एवं आचार नियमावली (code of conduct) अभ्यास में लाए जाते रहे हैं जिससे विद्यार्थियों को नशे के व्यसन (addiction) से दूर रखा जा सके। चूंकि इस दिशा में आपका महत्वपूर्ण सहयोग महाविद्यालय द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों की सफलता सुनिश्चित करने की शक्ति रखता है अतः आपसे अपेक्षा की जाती है कि यथासंभव एवं यथाशीघ्र निम्न बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उनको अमल में लाना सुनिश्चित करें:

1. आपका पुत्र/पुत्री महाविद्यालय अवकाश के दौरान जब घर पहुंचे तब उसकी गतिविधियों पर थोड़ा ध्यान अवश्य दें और यह देखें कि क्या उसको कोई ऐसी आदत तो नहीं लगी है जिसकी वजह से वह अकेले नियमित रूप से बाहर जाता हो।
2. महाविद्यालय एवं छात्रावास के कर्मचारियों तथा अपने पुत्र/पुत्री के सहपाठियों से संपर्क में अवश्य रहें जिससे यह संज्ञान में आता रहे कि वह कब कब विशेषतः रात्रि का भोजन मैस में नहीं कर रहा/रही है। ऐसी स्थिति में आपका विशेष ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि रात्रि का भोजन मैस में न करना किसी नशे के सेवन की ओर भी इंगित करता है।

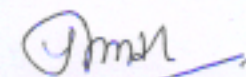
3. किसी भी घटना के संबंध में केवल और केवल अपने पुत्र/पुत्री का पक्ष जानकर कोई निर्णय न बनाएं वरन महाविद्यालय के संबंधित अधिकारी का पक्ष जानने की प्रतीक्षा अवश्य करें।
4. सामान्यतः ऐसा देखा गया है कि विद्यार्थी अपने माता पिता से वीडियो कॉल पर बात करने से बचते हैं। यदि ऐसा है तो आप उनको स्पष्ट निर्देश दें कि बिना उनकी पढ़ाई बाधित किए हुए दिन में एक या दो बार आप उनको वीडियो कॉल अवश्य करेंगे। ऐसा करने से उनकी गलत प्रवृत्तियों पर निश्चित रूप से अंकुश लगेगा।
5. एक वर्ष में कम से कम दो बार आप महाविद्यालय आकर अधोहस्ताक्षरी, फैंकल्टी, हॉस्टल वार्डन, कर्मचारियों एवं सहपाठियों से अवश्य मिलें जिससे आपको अपने पुत्र/पुत्री की गतिविधियों की जानकारी मिलती रहे।
6. महाविद्यालय द्वारा बैचवार छात्रों के अभिवाचकों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जा रहा है जिससे उनकी कक्षाओं की उपस्थिति एवं अन्य प्रगतियां आपको निरंतर सूचित होती रहें। कृपया उक्त ग्रुप में पोस्ट होने वाले मैसेज को देखकर अपने पुत्र/पुत्री की सराहना/जवाबदेही सुनिश्चित करें।
7. यदा कदा महाविद्यालय को प्रस्थान के समय पर अपने पुत्र/पुत्री से एक सेल्फी पोस्ट करने को कहें जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उसकी जीवनशैली सुव्यवस्थित है।
8. अपने पुत्र/पुत्री को जेबखर्च हेतु प्रतिमाह दी गई धनराशि का हिसाब अवश्य लें जिससे उसको एहसास रहे कि आप सतर्क हैं।

अधोहस्ताक्षरी को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि उक्त सभी बिंदुओं को अमल में लाने से यह सुनिश्चित हो सकेगा कि विद्यार्थी अपने पथ से भ्रमित नहीं हो रहे हैं तथा एक कुशल प्रोफेशनल (चिकित्सक, इंजीनियर, नर्स, फार्मसिस्ट, पैरामैडिक, मैनेजर आदि) बनने के साथ साथ भारत का एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर हैं।

आपका महत्वपूर्ण सहयोग आपके एवं महाविद्यालय के स्वप्नों को साकार करने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा।

इन्हीं शोभकामनाओं के साथ
धन्यवाद।

भवदीय



(डा० प्रभाकर गुप्ता)
प्राचार्य